मनसा सेवा - 106

अव्यक्त बापदादा :- (31. 3. 2010)

➳ _ ➳ तो जितना आप अपने पूर्वज के नशे में रहेंगे उतना ही आप द्वारा उन्हों की पालना होगी। वैसे भी देखो किसी की भी पालना लौकिक में भी बड़ों से होती है। वही उन्हों के शरीर के खाने पीने, पढ़ाई जो सोर्स आफ इनकम है, उनका प्रबन्ध करते हैं। तो **जैसे बाप ने आप सभी बच्चों की भिन्न-भिन्न शक्तियों से पालना की है वैसे अभी आपका कार्य है सारे वृक्ष के टाल टालियों और पत्तों की पालना करना।** ऐसा उमंग आप पूर्वज आत्माओं को आता है? नशा है पूज्य भी हो।

➳ _ ➳ देखो, सारे ड्रामा में जितनी आप आत्माओं की कायदे प्रमाण पूजा होती है उतनी पूजा कोई भी महात्मा, धर्म पिता की नहीं होती। आपकी पूजा नियम प्रमाण आरती होना, भोग लगना, ऐसी किसकी भी नहीं होती। गायन देखो आपका कायदे प्रमाण कीर्तन होता है। किसी का भी ऐसे गायन नहीं होता। तो **आप पूर्वज के साथ पूज्य भी हो। ड्रामा में आप जैसा पूजन और गायन किसी का भी नहीं है।**

➳ _ ➳ बाप ने देखा यह जनक बच्ची ने तबियत खराब होते, कराची की सेवा में विशेष मन्सा सकाश दी चाहे निमित कोई भी है लेकिन इसने प्रेक्टिकल में किया। वहाँ की आत्माओं को सकाश मिली। और आगे-आगे उमंग में बढ़ रहे हैं। तो ऐसे बापदादा ने प्रैक्टिकल एक्जैम्पुल देखा तो आप सभी भी कर सकते हो।

➳ _ ➳ दु:खी को खुशी की लहर पहुंचा सकते हो। चिल्लाने वाले को, आपके ही भक्त आपको ही पुकार रहे हैं हमारी देवी हमारा देवता कब आके रहम करेंगे। **आपको सुनाई नहीं देता लेकिन बाप को बहुत सुनाई देता है।** हर एक ईष्ट को, आप नहीं जानते हो कि हमारे भक्त कौन से हैं लेकिन भक्त तो जानते हैं ना। वह तो पुकारते हैं और **आप हर ब्राह्मण आत्मा के भक्त हैं। चाहे ढीले हों चाहे होशियार हो, भक्त आपके भी हैं।**

➳ _ ➳ क्योंकि जड़ में बैठे हो ना तो आपका सकाश का पार्ट है। तो **अभी मन्सा सेवा को बढ़ाओ। और जितना बिजी रहेंगे ना उतना निर्विघ्न रहेंगे।** कर सकते हो ना। मन्सा सेवा करना जानते हो ना! अच्छा नियम पूर्वक करते हैं या कभी कभी? अगर कभी कभी करते हैं तो उसको रेग्युलर करो और अगर थोड़ी करते हैं उसको और बढ़ाओ। क्योंकि **सारे कल्प का आधार अभी की सेवा का फल है।** चाहे पुजारी बनेंगे चाहे राज्य अधिकारी बनेंगे दोनों का आधार अभी की सेवा, अभी की अवस्था, अभी का बोल, अभी का सम्बन्ध सम्पर्क है।

➢➢ **आप पूर्वज आत्माये हों**

➳ _ ➳ सारे कल्प का आधार अभी की सेवा का फल है

➳ _ ➳ **परमात्म पालना के अधिकारी आत्मायें ही विश्व परिवर्तन कर सकते है**

→ **आधार है अभी की सेवा अभी की अवस्था अभी का बोल और अभी का सम्बंध सम्पर्क**

- बोल मे चेक करो बार बार - साइलेंस की पावर कितनी जमा की है ??

➳ _ ➳ सारे दिनभर में क्या क्या करना है ??

➳ _ ➳ **बीच बीच मे टाप प्वाइंट पर परमधाम चले जाओ**

→ वहां से नीचे का सारा विहंगम दृश्य दिखाई देता है

→ अपने जीवन की और सारे ड्रामा को देखो

→ **बार बार याद अर्थात साइलेस पावर और सेवा का प्लान बनाओ**

→ **बीच बीच मे जम्प लगाओ ऊपर परमधाम जाकर बाप के पास बैठ जाओ साथी है वो**

→ ये अभ्यास करना है यहां मै हूं

→ **अब गोल्डन चांस गोल्डन टाइम अब है गोल्डन मोर्निंग आने वाली है**

➳ _ ➳ **संगम मे घड़ी मे ऊपर चले जाओ 12 के प्वाइंट पर खडे हो जाओ फरिश्ता स्वरूप से चक्कर लगाओ**

➢➢ पूज्य आत्मायें

➳ _ ➳ भक्ति मार्ग मे हमारा गायन, पूजन, कीर्तन, भोग, स्नान कराना, श्रृंगार, झूला, सुलाना, पूजा, हर कर्म की पूजा होती है

→ **अभी की अवस्था, अभी के बोल, अभी की दृष्टि वृति चाल चलन, अभी जो कुछ किया है वो सब कुछ इस पर निर्भर करता है**

- फिर उधर ट्रांसफर होगा

→ **ये स्मृतियां है उन्हे जगाना है**

- नही तो मनुष्य को वही पुरानी व्यर्थ की विकार की स्मृतियां रहती है

- उन्ही मे जीता है वही रहती है उनमे ही घूमता रहता है

➳ _ ➳ **बाबा जो स्मृतियां दिला रहे है ये बेहद की स्मृतियाँ है बहुत ऊंची स्मृतियां है**

→ ये आज तक किसी ने सोचा ही नही कि हमारी पूजा हो रही है

→ यही सोचते है कि हम पूजा करेगे

➳ _ ➳ **ये सारा ही ज्ञान स्मृतियाँ है बाबा हमे जगाने आया है**

→ **वो जो आया है वो जागरण है वो awakening लाने आया है**

➳ _ ➳ **आत्मा को तो सब कुछ पता है मल प्रेक्षण आवरण है जो गंदगी है उसको हटाने आया है**

→ वो already बना हुआ है ऐसी सारी बेहद की स्मृतियों दिलाने आया है

➳ _ ➳ **बेहद की ऊंची महान स्मृतियां है वो सब जगाने आया है**

→ तो हमारी भक्ति मार्ग मे पूजन गायन है

→ भक्ति मार्ग मे वल्लभाचार्य ने कृष्ण की महिमा गाई है

→ हर चीज उसकी मधुर है

- वो अगर अभी मधुर है तो मधुरता की पूजा होगी

→ वो जो बोलता है उसके बोल मधुर है

→ नयन हंसना मधुर रिंग मधुर घूमना मधुर मुरली मधुर पुष्प मधुर गीत मधुर पीताम्बर मधुर खाना मधुर सोना मधुर

- हम सोए तो भी लगे योगी सो रहे है

→ **योगी सोए तो उसके मुख मंडल पर शांति हो**

➳ _ ➳ वह चित सफेद है जिसका चित क्लीन क्लीयर है किसी के प्रति नेगेटिविटी न हो

➳ _ ➳ **बाबा आते है बैठते है चाहे कुछ भी न बोले फिर भी कितना कुछ बोलते है**

➳ _ ➳ **उसकी आकृति कितनी शांत है कुछ बोले न बोले केवल आंखो से दृष्टि ही देते रहे**

➳ _ ➳ **बोलती आंखे है बोलती निगाहें है शब्द भी मधुर है उसकी दृष्टि सारी सृष्टि पर घूमती है**

➳ _ ➳ **दादीजी ने साइलेंस पावर से कर्मातीत अवस्था बनाई**

➳ _ ➳ **ब्रह्मा आदि देव होते हुए गुप्त पुरूषार्थ किया**

→ भक्ति मे जो कुछ है वो यहीं का है

→ **खाना पीना उठना चलना फिरना बोलना दृष्टि सम्बंध सम्पर्क सब कुछ मधुर होने चाहिए**

→ सारा कुछ निर्भर है अब पर

➳ _ ➳ बच्चे बाबा को बुलाते है तो बाबा हांजी करते है

→ हमे किस किस मे हांजी करनी है ??

- एक दो की बातों मे

- एक दो की वृति मे
- एक दो के स्वभाव मे
- एक दो की परिस्थिति में